



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड ३—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

• 277] नई दिल्ली, शुक्रवार, जुलाई 26, 1991/श्रावण 4, 1913
No. 277] NEW DELHI, FRIDAY, JULY 26, 1991/SAVANA 4, 1913

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन में रखा भी रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

जल भूतल परिषहन भवान्यम्

(पञ्चन पश्च)

प्राधिमूचना

नई दिल्ली, 26 जुलाई, 1991

या.का.नि 507 (थ) : --महापश्चन श्याम (न्यासियों को फीस भाँत भत्तों का गंदाय) विनाय, 1981
का श्रीर संघोधन करने के लिए, कनिष्ठ निम्नों का निम्नलिखित प्राप्त जिसे केंद्रीय सरकार, महापश्चन न्याम
अधिनियम, 1963 (1963 का 38) की धारा 122 की उपवाग (1) द्वारा प्रदल शक्तियों का प्रयोग करते

द्वारा, बनाने का प्रस्ताव करती है, उम्मीदों की उपचारा (2) की धरोकानुसार ऐसे सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जाता है जिसका उसने प्रभावित होने की संभावना है और इसके द्वारा यह सूचना दी जाती है कि उक्त प्राप्त गर उस तारीख से जिसका भारत के राजपत्र में प्रकाशित उक्त अविस्तृतना की प्रतिया जनता को उपलब्ध करा दो जानी है, पैनालीय दिन भी अवधि की समाप्ति पर या उसके पश्चात् विचार किया जाएगा :

2. उद्देश प्राप्त के गवर्नर में इस प्रकार विंटरिट अवधि की समाप्ति के पूर्व किसी अपक्रिय से प्राप्त किसी शासेपोर या युवाओं पर केंद्रीय सरकार यिचार करेगा।

प्राप्ति नियम

1. (1) इन नियमों का संश्लिष्ट नाम भवापसन न्याम (व्यासियों को फीस और भत्तां का संदर्भ) (संशोधन) नियम, 1991 है।
 (2) ये राजपत्र में अन्तिम प्रकाशन की तारीख को प्रयृण होंगे।
2. महापसन न्याम (व्यासियों को फीस और भत्तां का संदर्भ) नियम, 1981 के नियम 3 में—
 (1) खंड (ii) में, “सीम रुपए” प्रबंधों के स्थान पर “माठ रुपए” शब्द रखे जाएंगे।
 (2) परन्तुक के स्थान पर निम्नलिखित परन्तुक रखा जाएगा,

प्रधान :—

“परन्तु किसी कलेंडर मास के दोनों आयोजित बोर्ड/प्रीर/या समिति के अधिवेशन की आयत किसी व्यासी को संदेश फीस की दुरुत रकम किसी भी इशा में बार सी रुपए से अधिक नहीं होगी”।

[पी.आर-16011/1/90-प्र.जी.]

अधोक जोरी, संयुक्त सचिव

नोट : (i) मुद्र नियम सा.का.नि. 134 विनांक 28-1-82 में प्रकाशित हुए।

(ii) प्रथम संशोधन सा.का.नि. 797 (ग) विनांक 18-7-88 द्वारा किया गया।

MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT

(Ports Wing)

NOTIFICATION

New Delhi, the 26th July, 1991

G.S.R. 507(E).—The following draft of certain rules further to amend the Major Ports Trusts (Payment of Fees and Allowance to Trustees) Rules, 1991 which the Central Government proposes to make in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 122 of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), is hereby published as required by sub-section (2) of that section, for the information of all persons likely to be affected thereby and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration on or after the expiry

of a period of forty-five days from the date on which copies of the said notification as published in the Gazette of India are made available to the public :

2. Any objections or suggestions which may be received from any person with respect to the said draft before the expiry of the period so specified will be taken into consideration by the Central Government.

DRAFT RULES

(1) These rules may be called the Major Port Trusts (Payment of Fees and Allowances to Trustees) (Amendment) Rules, 1991.

(2) They shall come into force on the date of their final publication in the Official Gazette.

2. In Rule 2 of the Major Port Trusts (Payment of Fees and Allowances to Trustees) Rules, 1981.

(i) in clause (ii) for the words "Rupces thirty" the word "Rupees Sixty" shall be substituted.

(ii) for the proviso, the following proviso shall be substituted, namely—

"Provided that the aggregate amount of fee payable to any Trustees in respect of the meeting of the Board and/or the Committees held during any calendar month shall not exceed rupees our hundred in any case".

[PR-16011|1|90-PG]

ASHOKE JOSHI, Lt. Secy.

FOOT NOTE : (i) Original Rules were published vide GSR 134 dated 28-1-82.

(ii) Ist amendment vide GSR No. 797(E), dated 18-7-1988.

